छोटे व्यवसायों पर वस्तु एवं सेवा कर (GST) का प्रभाव

(Impact of GST on Small Businesses)

डॉ मोनिका राजवैध (निर्देशक) प्रोफेसर वाणिज्य एवं प्रबंध संकाय राजीव गाँधी महाविद्यालय , भोपाल (म.प्र.)
डॉ संजय जैन (सहायक निर्देशक) वाणिज्य संकाय, बाबूलाल गौर शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल , भोपाल (म.प्र.)
पूर्णिमा अहिरवार (शोधार्थी) बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

सारांश (Abstract)

भारत में 1 जुलाई 2017 से लागू वस्तु एवं सेवा कर (Goods and Services Tax-GST) को देश के सबसे बड़े कर सुधारों में से एक माना जाता है। GST ने विभिन्न अप्रत्यक्ष करों को एकीकृत कर "एक राष्ट्र, एक कर" की अवधारणा को साकार किया है। इसका उद्देश्य कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी तथा व्यवसाय-अनुकूल बनाना था। छोटे व्यवसाय, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं, GST के कार्यान्वयन से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए हैं। GST ने छोटे व्यवसायों को व्यापक राष्ट्रीय बाजार तक पहुँच, करों के दोहरे प्रभाव से मुक्ति तथा डिजिटल अनुपालन जैसी सुविधाएँ प्रदान की हैं। दूसरी ओर, नियमित रिटर्न दाखिल करने, तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता तथा अनुपालन लागत में वृद्धि जैसी चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। प्रस्तुत शोध-पत्र में छोटे व्यवसायों पर GST के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावोंm का विश्लेषण किया गया है तथा भविष्य के लिए आवश्यक सुझाव प्रस्तुत किए गए हैं।

मुख्य शब्द (Keywords): GST, छोटे व्यवसाय, कर सुधार, डिजिटल अनुपालन, भारतीय अर्थव्यवस्था, MSMEs।